

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 16

टूटा पहिया

धर्मवीर भारती

भाग – 2
अभ्यासमाला

कीर्ति बसुमतारी

अभ्यासमाला

(अ) सही विकल्प का चयन करो:

1. रथ का टूटा पहिया स्वयं को न फेंके जाने की सलाह देता है, क्योंकि –

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

क) उसे मरम्मत करके फिर से रथ में लगाया जा सकता है।

(ख) किसी दुस्साहसी अभिमन्यु के हाथों में आकर ब्रह्मास्त्र से लोहा ले सकता है।

(ग) इतिहासों की सामूहिक गति झूठी पड़ जाने पर सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले सकता है।

(घ) ऊपर के ख और ग दोनों सही है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. 'दुरूह चक्रव्यूह में अक्षौहिणीं सेनाओं को चुनौती' किसने दी थी?

(क) अभिमन्यु ने।

(ख) द्रोणाचार्य ने।

(ग) अर्जुन ने।

(घ) दुर्योधन ने।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी....' यहाँ किसके पक्ष को असत्य कहा गया है ?

(क) युधिष्ठिर का।

(ख) दुर्योधन का।

(ग) अभिमन्यु का।

(घ) कृष्ण का।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4 'ब्रहमास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ' यह किसका कथन है?

(क) भीष्म का कथन।

(ख) परशुराम का कथन।

(ग) टूटे हुए पहिए का कथन।

(घ) भीम के गदा का कथन।

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दो:

1. कवि ने अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों बताया है?

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दो:

1. कवि ने अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों बताया है?

उत्तर- कवि ने अभिमन्यु को दुस्साहसी बताया है क्योंकि अभिमन्यु ने बिना किसी हथियार के अकेले चक्रव्यूह में फँसे होने के बावजूद दुश्मनों से लोहा लिया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. ‘दुरूह चक्रव्यूह’ का महाभारत के संदर्भ में और आज के संदर्भ में क्या तात्पर्य है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. 'दुरूह चक्रव्यूह' का महाभारत के संदर्भ में और आज के संदर्भ में क्या तात्पर्य है?

उत्तर- महाभारत में 'दुरूह चक्रव्यूह' उस व्यूह को कहते हैं जिसमें अभिमन्यु को फँसाकर निहत्था लड़ने पर मजबूर किया गया।आज के समय में इसका अर्थ जीवन की मुश्किल परिस्थितियाँ और झूठ का जाल है, जिसमें सच को साबित करना बहुत कठिन होता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3 कवि ने किस तथ्य के आधार पर कहा कि ‘असत्य कभी सत्य को बर्दाश्त नहीं कर पाता’?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3 कवि ने किस तथ्य के आधार पर कहा कि 'असत्य कभी सत्य को बर्दाश्त नहीं कर पाता'?

उत्तर- कवि ने महाभारत की उस घटना के आधार पर यह कहा है जहाँ पांडव सत्य के मार्ग पर थे और कौरव असत्य के। कौरव सत्य को सहन नहीं कर पाए और कुनीति से पांडवों को हराने का प्रयास किया, इसलिए कहा गया कि असत्य कभी सत्य को बर्दाश्त नहीं कर पाता।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. ‘लघु से लघु और तुच्छ से तुच्छ वस्तु’ किन परिस्थितियों में अत्यधिक उपयोगी हो सकती है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. 'लघु से लघु और तुच्छ से तुच्छ वस्तु' किन परिस्थितियों में अत्यधिक उपयोगी हो सकती है?

उत्तर- छोटी और तुच्छ लगने वाली वस्तुएँ भी कई बार बहुत काम की होती हैं। बड़े कार्यों की सफलता में उनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। जैसे सूई छोटी होकर भी उपयोगी है, वैसे ही टूटे रथ के पहिये ने अभिमन्यु की सत्य की लड़ाई में सहायता की।

5. ‘इतिहास की सामूहिक गति का सहसा झूठी पड़ जाने’ का क्या आशय है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. 'इतिहास की सामूहिक गति का सहसा झूठी पड़ जाने' का क्या आशय है?

उत्तर- कविता के अनुसार जब बड़े साधन और शक्तियाँ निष्फल हो जाती हैं, तब इतिहास की गति रुक-सी जाती है। ऐसे समय में कोई साधारण व्यक्ति या छोटी-सी वस्तु भी—जैसे टूटा हुआ पहिया—सत्य और न्याय के पक्ष में संघर्ष को नई दिशा देकर इतिहास को फिर गति दे सकती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

6. कवि के अनुसार सच्चाई टूटे पहियों का आश्रय लेने को कब विवश हो सकती है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

6. कवि के अनुसार सच्चाई टूटे पहियों का आश्रय लेने को कब विवश हो सकती है?

उत्तर- कवि के अनुसार जब बड़े हथियारों और शक्तियों के कारण इतिहास की गति रुक-सी जाती है, तब सच्चाई टूटे पहियों का सहारा लेती है। कविता में टूटा पहिया साधारण व्यक्ति या तुच्छ वस्तु का प्रतीक है, जो कठिन समय में इतिहास को नई गति दे सकता है।

भाषा-अध्ययन —

1. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करो:

सामूहिक -

आवश्यकता -

सनसनाहट -

पाठक -

पूजनीय -

परीक्षित -

भाषा-अध्ययन —

1. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करो:

सामूहिक - समूह + इक

आवश्यकता - आवश्यक + ता

सनसनाहट - सनसन + आहट

पाठक - पाठ + अक

पूजनीय - पूजन + ईय

परीक्षित - परीक्षा + इत

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. निम्नांकित शब्दों में से उपसर्ग अलग करो:



दुस्साहस -

अनुदार -

बदसूरत -

निश्चिंत -

बेकारी -

अज्ञानी -

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. निम्नांकित शब्दों में से उपसर्ग अलग करो:



दुस्साहस	-	दुस् + साहस
अनुदार	-	अन् + उदार
बदसूरत	-	बद + सूरत
निश्चिंत	-	निस् + चिंत
बेकारी	-	बे + कारी
अज्ञानी	-	अ + ज्ञानी

योग्यता-विस्तार

1. महाभारत में वर्णित चक्रव्यूह का प्रसंग पढ़ो और कक्षा में चर्चा करो।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. ‘ब्रम्हास्त्र’ क्या है? इसकी जानकारी हासिल करो और कक्षा में चर्चा करो।



शब्दार्थ एवं टिप्पणी

शब्द	अर्थ
दुरूह	कठिन
चक्रव्यूह	चक्र के आकार में सेना की स्थापना महाभारत के युद्ध में जिस दिन अभिमन्यु लड़ा था, उस दिन द्रोणाचार्य ने इसी व्यूह की रचना की थी।
अक्षौहिणी	चतुरंगिनी सेना का एक विभाग (जिसमें 109350 पैदल 65610 घोड़े 21870 रथ और इतने ही हाथी शामिल होते है।
दुस्साहसी	खतरे से भरे कार्य के लिए साहस करने वाला

शब्दार्थ एवं टिप्पणी

शब्द	अर्थ
ब्रह्मास्त्र	ब्रम्हशक्ति से परिचालित अमोघ माना जाने वाला एक अस्त्र, महाविनाशकारी अस्त्र।
महारथी	योद्धा

शब्दार्थ एवं टिप्पणी

शब्द	अर्थ
इतिहासों की आश्रय ले	ब्रम्हास्त्रो में (जैसे आज के परमाणु बम) की सहायता से लड़े गये युद्ध की व्यापक विनाश लीला के बाद इतिहास की गीत अवरुद्ध सी जान पड़े और जो भी साधारण से साधारण व्यक्ति और टूटे पहिया जैसा हथियार शेष बचे, उससे ही इतिहास को नयी गीत मिले
आश्रय	आसरा, सहारा

शब्दार्थ एवं टिप्पणी

शब्द	अर्थ
निडर	जो डरे नहीं
पंथ	मार्ग